

Dr. DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G. T)

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI

L.N.M.U DARBHANGA

YOUNG'S VIEWS OF UNCONSCIOUS .

कार्ल युंग फ्रायड के अभिन्न मित्र एवं कटर समर्थक थे। किन्तु विभिन्न बिषयों पर मतभेद हो जाने के कारण युंग ने 1912 ई में पूर्ण रूप से अपना संबंध फ्रायड से विच्छेद कर लिया और एक नये वाद की स्थापना की जिसे मनोविश्लेषण मनोविज्ञान कहा जाता है। युंग ने अचेतन मन की विशद व्याख्या की है। इनके अनुसार अचेतन दो प्रकार का होता है -

1. व्यक्तिगत अचेतन
2. सामूहिक अचेतन

व्यक्तिगत अचेतन से युंग महोदय का अभिप्राय मन के ऐसे भाग से है जहाँ चेतन मन के अनैतिक,

असामाजिक, कामुक एवं लज्जास्पद विचार दमित होकर संचित हो गए हैं। युंग का यह व्यक्तिगत अचेतन फ्रायड की अचेतन की धारणा की तरह है। यह सम्पूर्ण अचेतन की मात्र ऊपरी परत है जिसमें व्यक्ति की दमित इच्छायें रहती हैं।

सामूहिक अचेतन की धारणा युंग की देन है। युंग ने बतलाया कि “संसार में समस्त व्यक्तियों में सामूहिक अचेतन समान रूप से होता है। यह अतीत के अनुभवों, पूर्वजों के संस्कार एवं सदियों पुरातन परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें अनादिकाल के आनुवांशिक प्रवृत्तियों की झांकी मिलती है।” यही कारण है कि हमारी प्रवृत्ति वैसे कार्यों की ओर होती है जिन्हें हमारे पूर्वज करते थे, जैसे- नंगे रहना, शिकार करने एवं पर्वतारोहण की प्रवृत्ति ।

सामूहिक अचेतन में अनेक प्रकार की प्रवृत्तियाँ रहती हैं। ये प्रवृत्तियाँ अपने मौलिक रूप में रहती हैं। इसमें ईड भी रहता है। सामूहिक अचेतन में मानव

जाति का पुरातन इतिहास संचित रहता है। विभिन्न पीढियों के संस्कारों का यह दोष है। युंग ने सामूहिक अचेतन की महत्ता पर बड़ा ही बल दिया है। मानसिक रोगियों के स्वप्नों के माध्यम से सामूहिक अचेतन की अभिव्यक्ति होती है। यही धारणा है कि स्वप्नों में हम हजारों वर्ष पूर्व मानव-सभ्यता की झांकी देखते हैं। मानसिक रोगियों के उपचार में भी स्वप्नों को व्यक्तिगत अचेतन के साथ-साथ सामूहिक अचेतन की व्याख्या करना नितांत आवश्यक है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि यदि फ्रायड ने अचेतन मन की धारणा का सर्वप्रथम वैज्ञानिक रूप प्रदान किया तो युंग महोदय ने उसका वैज्ञानिक विस्तार एवं नवीन धारणा का अन्वेषण किया ।

अचेतन मन का महत्व

दार्शनिकों, विद्वानों एवं चिन्तकों ने अचेतन मन की कल्पना कर मनोपचार को नया संकेत दिया तथा फ्रायड ने अचेतन का वैज्ञानिक रूप देकर इसे

नवजीवन प्रदान किया और युंग ने अचेतन मन की धारणा को विस्तृत कर उसे पल्लवित एवं पुष्पित किया। मनुष्य के विकृत व्यवहारों का उपचार आज जितना सरल एवं सुगम हो गया है यह अचेतन मन की धारणा की ही देन है। प्रायः सभी मनोवैज्ञानिक इस तथ्य को स्वीकार करते हैं कि अचेतन मन की दमित इच्छाओं की ही अभिव्यक्ति विभिन्न असामान्य व्यवहारों के माध्यम से होती है। अचेतन की धारणा की खोज के पूर्व अक्सर असामान्य व्यवहारों का उपचार तन्त्र-मन्त्र , झाड़-फूंक एवं मार-पीट के द्वारा होता था। रोगियों के साथ निर्दयतापूर्वक अमानवीय व्यवहार किया जाता था। बल्कि अब ऐसे रोगियों को लोग धृणा एवं क्रोध की निगाह से नहीं देखते बल्कि उनके प्रति दया एवं सहानुभूति प्रकट करते हैं।

अचेतन मन की खोज ने स्वप्न के रहस्यों का समाधान किया। इसके साथ ही निद्रावस्था में

भ्रमण, दैनिक जीवन की भूलें, विभ्रम आदि का भी कारण अचेतन मन को मानते हैं। इसी के आधार पर उनका उपचार संभव हो सका है। अचेतन मन के अविष्कार के बिना असामान्य मनोविज्ञान एवं मनोचिकित्सा मनोविज्ञान अधूरा रह जाता है।